अध्याय 6

ताल

ताल की शास्त्रोक्त परिभाषा पूर्व में उल्लिखित की गई है। ताल की सहायता से गायन, वादन, नृत्य क्रियाऐं सम्पन्न होती हैं। ताल की संरचना में – उसकी निर्धारित मात्रा, संख्या, विभाग, ताल के बोल, ताली व खाली का अंकन आदि प्रमुख घटक हैं।

प्रस्तुत अध्याय में निर्धारित ताल का ठेका, दुगुन व चौगुन क्रियाओं से विद्यार्थियों को परिचय कराया जाना है। अतः ताल व लय के इन विविध स्वरूपों को समझना आवश्यक है।

ठाह अथवा ठेका

किसी ताल की मूल संरचना को ठेका कहते हैं। ताल के ठेके में निर्धारित की गई मात्रा/काल अवधि में ताल के निर्धारित बोलों को बोला जाता है। जैसे –

ताल मात्रा काल (4)	1	2	3	4
ताल के बोल	धा	धिं	धिं	धा

यहाँ 1, 2, 3, 4, तो निर्धारित की गई मात्रा/संख्या है, तथा धा, धिं, धिं, धा उसके बोल है। माना कि यह संपूर्ण रचना है तो यह ताल का ठेका कहलायेगा।

दुगुन

अर्थात – दुगुना, ठेके में एक मात्रा काल में एक बोल (धा) बोला गया लेकिन दुगुन में एक मात्रा काल में दो बोल (धा धिं) बोले जाऐंगे। यानि 4 बोल (धा, धिं, धिं, धा) को दो मात्रा काल में ही बोल देना दुगुन है। इसे घड़ी की सैकंड वाली सुई से समझें –

सैंकण्ड की सुई अथवा मात्रा काल	1	2	3	4
दुगुन में संख्या अभ्यास	12	34	12	34
दुगुन में ताल के बोल	धाधिं	धिंधा	धाधिं	धिंधा

चौगुन

अर्थात – चौगुना । एक मात्रा काल में 4 तक संख्या या बोल बोलना। इस प्रकार 4 मात्रा काल में 16 संख्या या बोल चौगुन कहलायेंगी। इसमें ठेके के मूल मात्रा काल में, चौगुनी गति से कार्य किया गया।

सैंकण्ड की सुई अथवा मात्रा काल	1	2	3	4
चौगुन में संख्या अभ्यास	1234	1234	1234	1234
चौगुन में ताल के बोल	धाधिंधिंधा	धाधिंधिंधा	धाधिंधिंधा	धाधिंधिंधा

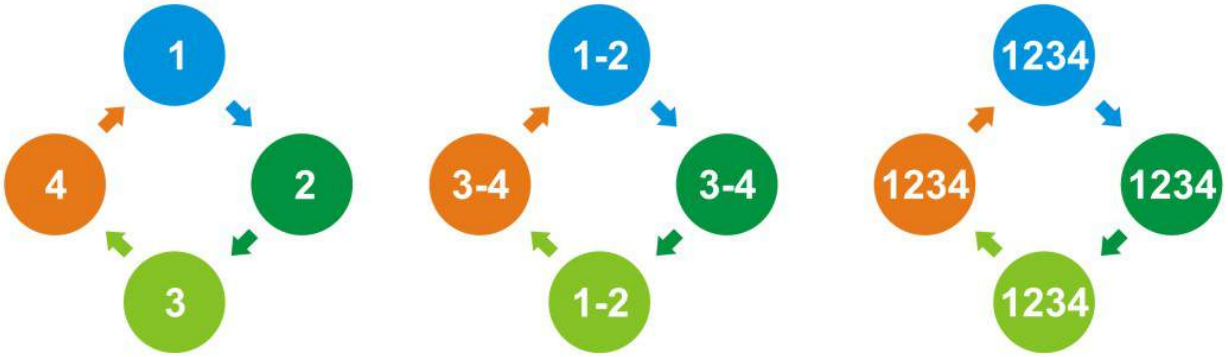

ठेका **दुगुन** **चौगुन**

लयकारी हेतु प्रचलित दो तरीके –(1) एक आवर्तत की दुगुन (2) संपूर्ण ताल मात्रा में दुगुन
दोनों ही प्रक्रिया में मूल ताल/ठेका का निर्धारित मात्रा काल पूर्ण करना अतिआवश्यक होता है।

(1) एक आवर्तन की दुगुन

जैसे ताल दादरा में 6 मात्रा है, अब 6 मात्रा की दुगुन 3 मात्रा में आएगी। लेकिन 6 मात्रा काल को पूर्ण करने के लिये तीन मात्रा तक ठेका तथा शेष तीन मात्रा में पूरी ताल की दुगुन की जाएगी –

ताल – दादरा (मात्रा–6)

मात्रा काल	1	2	3	4	5	6
ताल का ठेका	धा	धीं	ना	धा	तीं	ना
एक आवर्तन की दुगुन	धा	धीं	ना	धाधीं	नाधा	तींना
संख्या द्वारा	1	2	3	1 2	3 4	5 6
	X			0		

(2) संपूर्ण ताल आवर्तन में दुगुन

इस प्रक्रिया में ताल की प्रत्येक मात्रा पर ठेके के 2–2 बोल बोलते हुए 6 मात्रा काल में संपूर्ण ताल के बोल दो बार बोले जाऐंगे तथा 6 मात्रा काल पूर्ण किया जाएगा। इसी प्रकार चौगुन में ताल के बोल 4 बार बोले जाऐगें।

मात्रा काल	1	2	3	4	5	6
ताल का ठेका	धा	धीं	ना	धा	तीं	ना
दुगुन	धाधीं	नाधा	तींना	धाधीं	नाधा	तींना
संख्या द्वारा	1 2	3 4	5 6	1 2	3 4	5 6
	X			0		

अतः लयकारी के किसी भी प्रकार (दुगुन, तिगुन, चौगुन .....) में ताल की मूल संरचना में स्थित मात्रा संख्या को पूर्ण करना आवश्यक है।

पाठ्यक्रम में निर्धारित तालों की ठाह, दुगुन, चौगुन

त्रिताल अथवा तीन ताल

त्रिताल में 16 मात्रा तथा 4 भाग होते हैं। प्रत्येक भाग में 4–4 मात्राऐं होती हैं। 1, 5 व 13वीं मात्रा पर ताली तथा 9वीं मात्रा पर खाली होती है। शास्त्रीय संगीत में अत्यंत प्रचलित ताल है।

ताल – त्रिताल (16 मात्रा, 4 भाग)

मात्रा	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
बोल	धा	धिं	धिं	धा	धा	धिं	धिं	धा	धा	तिं	तिं	ता	ता	धिं	धिं	धा
दुगुन	धा	धिं	धा	धा	धा	धिं	धिं	धा	धाधिं	धिंधा	धाधिं	धिंधा	धातिं	तिंता	ताधिं	धिंधा
चौगुन	धा	धिं	धिं	धा	धा	धिं	धिं	धा	धा	तिं	तिं	ता	धाधिंधिंधा	धाधिंधिंधा	धातिंतिंतां	ताधिंधिंधा
	X				2				0				3			

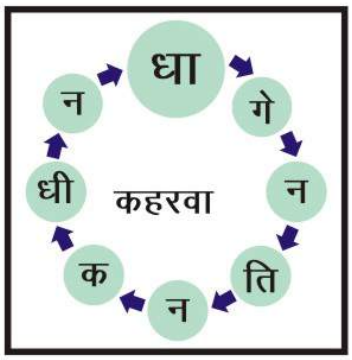

ताल – कहरवा (8 मात्रा, 2 भाग)

इसमें 8 मात्रा व 2 भाग होते हैं। प्रत्येक भाग में 4–4 मात्राऐं हैं। पहली मात्रा पर ताली तथा 5वीं मात्रा पर खाली है। गीत, गज़ल, भजन, ठुमरी, लोक संगीत आदि में सर्वाधिक प्रचलित ताल है।

ठेका	धा	गे	न	ति	न	क	धि	न
दुगुन	धा	गे	न	ति	धागे	नति	नक	धिन
चौगुन	धागेनति	नकधिन	धागेनति	नकधिन	धागेनति	नकधिन	धागेनति	नकधिन
	X				0			

ताल – दादरा (6 मात्रा, 2 भाग)

दादरा ताल में 6 मात्रा व 2 भाग हैं। प्रत्येक भाग में 3–3 मात्रा हैं। पहली मात्रा पर ताली व चौथी मात्रा पर खाली है। कहरवा के समान ही यह ताल गीत, गज़ल, भजन, ठुमरी, दादरा आदि शैलियों में सर्वाधिक प्रचलित है।

ठेका	धा	धीं	ना	धा	तिं	ना
दुगुन	धा	धीं	ना	धाधीं	नाधा	तिंना
चौगुन	धाधींनाधा	तींनाधाधीं	नाधातीना	धाधींनाधा	तीनाधाधीं	नाधातींना
	X			0		

ताल – एकताल (12 मात्रा, 6 भाग)

ख्याल गायन में यह त्रिताल के समान प्रचलित ताल है। इसमें 5, 9, 11 पर ताली तथा 3 व 7 पर खाली दर्शायी जाती है।

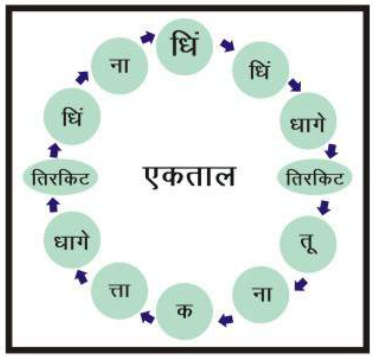

ठेका	धिं	धिं	धागे	तिरकिट	तू	ना	क	ता	धागे	तिरकिट	धिं	ना
	X		0		2		0		3		4	
दुगुन	धिं	धिं	धागे	तिरकिट	तू	ना	धिंधिं	धागेतिरकिट	तूना	कत्ता	धागेतिरकिट	धिंना
चौगुन	धिं	धिं	धागे	तिरकिट	तू	ना	क	त्ता	धागे	धिंधिंधागेतिरकिट	तूनाकत्ता	धागेतिरकिटधिंना
	X		0		2		0		3		4	

ताल – चौताल (12 मात्रा, 6 भाग)

चौताल में 12 मात्रा व 6 भाग होते हैं। 1, 5, 9, 11वी मात्रा पर ताली तथा 3, 7 वीं मात्रा पर खाली होती है। ध्रुपद गायन में यह अत्यधिक प्रचलित है। इसका वादन पखावज वाद्य पर होता है।

ठेका	धा	धा	दिं	ता	किट	धा	दिं	ता	तिट	कत	गदि	गन
दुगुन	धा	धा	दि	ता	किट	धा	धाधा	दिंता	किटवा	दिंता	तिट कत	गदि गन
चौगुन	धा	धा	दिं	ता	किट	धा	दिं	ता	तिट	धाधादिंता	किटधादिंता	तिटकतगदिगन
	X		0		2		0		3		4	

अभ्यासार्थ प्रश्न

बहुवैकल्पिक प्रश्न

1. ताल की निर्धारित मूल संरचना कहलाती है ?
   (अ) ठेका (ब) अंतरा (स) दुगुन (द) कला
2. एक मात्रा काल में दो मात्रा के बोलों को बोलना क्या कहलाता है ?
   (अ) लय (ब) दुगुन (स) चौगुन (द) ठेका

3. एक मात्रा काल में चार मात्रा के बोलों को बोलना क्या कहलाता है ?
   (अ) ठेका (ब) दुगुन (स) चौगुन (द) ताल
4. 10 मात्रा के एक आवर्तन की दुगुन कितनी मात्रा में आएगी ?
   (अ) 10 (ब) 5 (स) 2 (द) कोई नहीं
5. 12 मात्रा के ताल की चौगुन, प्रारम्भ से लिखने पर मूल ताल को कितनी बार लिखा जाएगा?
   (अ) 12 (ब) 6 (स) 3 (द) 4

लघुत्तरात्मक प्रश्न

1. किसी भी ताल की दुगुन किस प्रकार ज्ञात की जाएगी ?
2. किसी भी ताल की चौगुन किस प्रकार ज्ञात की जाएगी ?
3. ताल कहरवा का ठेका व दुगुन लिखिए ?
4. ताल त्रिताल का ठेका व दुगुन लिखिए ?
5. ताल एकताल की चौगुन लिखिए?

उत्तर बहुवैकल्पिक प्रश्न

(1) अ (2) ब (3) स (4) ब (5) द

शिक्षकों हेतु अनुदेश

- घड़ी की सुई के साथ तालों की ठेका, दुगुन, चौगुन का अभ्यास करावें।
- अभ्यास पहले अंकों से करावें।
- ताल चक्रों के चित्र प्रोजेक्ट में बनवावें।